JAC वार्षिक माध्यमिक परीक्षा - 2023

विषय - हिन्दी

हिंदी-A
पूर्णांक- 40

बहुवैकल्पिक प्रश्नोत्तर

विषय- हिंदी
समय 1:30 घंटा

खण्ड 'क' (अपठित गद्यांश एवं काव्यांश)

निर्देश- निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्न संख्या 1 से 4 तक के लिए सही विकल्प का चयन करें:

हम जिस तरह भोजन करते हैं, गाछ - बिरिछ भी उसी तरह भोजन करते हैं। हमारे दांत हैं, कठोर चीज खा सकते हैं। नन्हे बच्चों के दांत नहीं होते, वे केवल दूध पी सकते हैं। गाछ बिरिछ के भी दांत नहीं होते, इसलिए वे केवल तरल द्रव्य या वायु से भोजन ग्रहण करते हैं। गाछ बिरिछ जड़ के द्वारा माटी से रसा पान करते हैं। चीनी में पानी डालने पर चीनी गल जाती है। माटी में पानी डालने पर उसके भीतर बहुत से द्रव्य गल जाते हैं। गाछ - बिरिछ वे तमाम द्रव्य सोखते हैं। जड़ों को पानी ना मिलने पर पेड़ का भोजन बंद हो जाता है, पेड़ मर जाता है।

1. गाछ बिरिछ का क्या अर्थ होता है?

1. फल -फूल
2. पेड़ -पौधे
3. घास -पात
4. मिट्टी -पानी

उत्तर- 2. पेड़- पौधे

2. गाछ -बिरिछ के क्या नहीं होते?

1. पत्ते
2. फूल
3. फल
4. दांत

उत्तर- 4. दांत

3. 'गाछ - बिरिछ' किसके द्वारा माटी से रसपान करते हैं?

1. जड़ के द्वारा
2. तना के द्वारा
3. पत्तों के द्वारा
4. टहनी के द्वारा

उत्तर- 1. जड़ के द्वारा

4. पेड़ कब मर जाता है?

1. मिट्टी न मिलने पर
2. दवा न मिलने पर
3. पानी न मिलने पर
4. खाद न मिलने पर

उत्तर- 3. पानी न मिलने पर

निर्देश: प्रस्तुत पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्न संख्या 5 से 8 तक के लिए सही विकल्प का चयन करें

लक्ष्य तक पहुंचे बिना, पथ में पथिक विश्राम कैसा।
लक्ष्य है अति दूर, दुर्गम मार्ग भी हम जानते हैं,
किंतु पथ के कंटकों को को हम सुमन भी मानते हैं,
जब प्रगति का नाम जीवन, यह अकाल विराम कैसा।
लक्ष्य तक------
धनुष से जो छूटता है बाण कब मग में ठहरता है।
देखते ही देखते वह लक्ष्य का ही वेध करता है
लक्ष्य प्रेरित बाण है हम, ठहरने का काम कैसा।
लक्ष्य तक----------
बस वही है पथिक जो पथ पर निरंतर अग्रसर हो,
हो सदा गतिशील जिसका लक्ष्य प्रतिक्षण निकटतम हो ।
हार बैठे जो डगर में पथिक उसका नाम कैसा।
लक्ष्य तक-------
बाल रवि की स्वर्ण किरने निमिष में भू पर पहुंचती
कालिया का नाश करती ज्योति जगमग जगत धरती
ज्योति के हम पुंज फिर हमको अमा से भीति बीच कैसा।
लक्ष्य तक-------

5. धनुष से छूटा हुआ बाण क्या करता है?

1. लक्ष्य भेद
2. प्रभेद
3. अभेद
4. अभेद्य

उत्तर- 1. लक्ष्य भेद

6. लक्ष्य के पथिक कंटकों को क्या मानते हैं ?

1. पत्ते
2. फल
3. पौधे
4. फूल

उत्तर- 4.फूल

7. बाल रवि की किरणें कैसी होती हैं?

1. रजत
2. हरित
3. स्वर्ण
4. श्याम

उत्तर- 3. स्वर्ण

8. कहां तक पहुंचे बिना पथिक को विश्राम नहीं करना चाहिए ?

1. घर
2. लक्ष्य
3. बाजार
4. धर्मशाला

उत्तर- 2. लक्ष्य

खंड 'ख, व्याकरण

निर्देश: निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प का चयन करें

9. जिस वाक्य में कर्ता और क्रिया उपस्थित हो, वह कौन सी क्रिया होती है?

1. अकर्मक
2. सकर्मक
3. द्विकर्मक
4. प्रेरणार्थक

उत्तर- 2. सकर्मक

10. 'बच्चा पुस्तक पढ़ रहा है' कौन -सी क्रिया है ?

1. अकर्मक
2. सकर्मक
3. द्विकर्मक
4. प्रेरणार्थक

उत्तर- 2. सकर्मक

11. 'किसान खेत जोत रहा है' इसमें क्रियापद कौन है ?

1. किसान
2. खेत
3. जोत
4. जोत रहा है

उत्तर- 4. जोत रहा है

12. कौन सा वाक्य अकर्मक क्रिया का उदाहरण है ?

1. रमेश हंस रहा है
2. मां भोजन बना रही है
3. वह गीत गा रहा है
4. मैं शरबत पी रहा हूं

उत्तर- 1. रमेश हंस रहा है

13. 'अंबर' का एक अर्थ होता है 'वस्त्र' और दूसरा ?

1. आकाश
2. सागर
3. पाताल
4. पोशाक

उत्तर- 1. आकाश

© JCERT not to be republished

14. निम्नलिखित में से श्वेत का अनेकार्थी शब्द नहीं है ?

1. सफेद 2. श्याम
3. उजला 4. सफेदी

उत्तर- 2. श्याम

15. निम्नलिखित में से कौन सा शब्द समुच्चयबोधक अव्यय है ?

1. धीरे-धीरे 2. अरे
3. अथवा 4. वाह

उत्तर- 3. अथवा

16. पता नहीं वह---- चला गया। सही अव्यय पद चुने:

1. यहां 2. वहां
3. तब 4. कब

उत्तर- 4. कब

17. 'शिक्षक चाहते हैं कि उनके विद्यार्थी अच्छा बने'- यह कौन सा वाक्य है ?

1. सरल 2. मिश्र
3. संयुक्त 4. उपवाक्य

उत्तर- 2. मिश्र

18. 'प्रतिदिन' कौन -सा समास है ?

1. अव्ययीभाव 2. तत्पुरुष
3. दिगु 4. बहुव्रीहि

उत्तर- 1. अव्ययीभाव

19. निम्न में से बहुव्रीहि समास कौन सा है ?

1. शरणागत 2. दिन रात
3. लंबोदर 4. पंचवटी

उत्तर- 3. लंबोदर

20. 'पक्षी आकाश में उड़ेंगे'- यह कौन सा वाच्य है ?

1. कर्तृवाच्य 2. कर्मवाच्य
3. भाववाच्य 4. इनमें से कोई नहीं

उत्तर- 1. कर्तृवाच्य

खंड 'ग' पाठ्यपुस्तक

निर्देश: प्रस्तुत पठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों में से सही विकल्प का चयन करें:

बालगोबिन भगत की संगीत साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखा गया जिस दिन उनका बेटा मरा। इकलौता बेटा था वह कुछ सुस्त और बोदा सा था, किंतु इसी कारण बाल गोविंद भगत उसे और भी मानते।

21. बाल गोविंद भगत का बेटा कितना था ?

1. एक 2. दो
3. तीन 4. चार

उत्तर- 1. एक

22. बाल गोविंद भगत का बेटा कैसा था ?

1. सुस्त 2. दुरुस्त
3. तंदुरुस्त 4. सुस्त और बोदा- सा

उत्तर- 4. सुस्त और बोदा-सा

फादर को जहरबाद से नहीं मरना चाहिए था। जिसकी रगों में दूसरों के लिए मिठास भरे अमृत के अतिरिक्त और कुछ नहीं था उसके लिए इस शहर का विधान क्यों ?

23. फादर बुल्के की मृत्यु किस रोग से हुई ?

1. जहर बाद से 2. तपेदिक से
3. कैंसर से 4. ज्वर से

उत्तर- 1. जहर बाद से

24. 'विधान' का क्या अर्थ होता है ?

1. विधा 2. विद्या
3. विघ्न 4. नियम

उत्तर- 4. नियम

निर्देश: प्रस्तुत पठित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों में से सही विकल्प का चयन करें:

हमरौ हरि हारिल की लकरी।

मन क्रम वचन नंद नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी।

जागत सोवत स्वप्न दिवस -निसि, कान्ह- कान्ह जकरी।।

25. गोपियों की दशा किस पक्षी की तरह हो गई है ?

1. हारिल 2. हरित्र
3. हिरण 4. कपोत

उत्तर- 1. हारिल

26. यहां नंद -नंदन किसे कहा गया है ?

1. उद्धव को 2. अक्रूर को
3. सुदामा को 4. कृष्ण को

उत्तर- 4. कृष्ण को

घेर घेर घोर गगन, धराधर ओ।

ललित ललित, काले घुंघराले,

बाल कल्पना के - से पाले।

27. यह पद्यांश किस कविता का अंश है ?

1. आत्मकथ्य 2. कन्यादान
3. उत्साह 4. अट नहीं रही है

उत्तर- 3. उत्साह

28. कवि बादल को क्या घेरने को कह रहे हैं?

1. पूरा आकाश 2. जंगल
3. सागर 4. पहाड़

उत्तर- 1. पूरा आकाश

29. कैप्टन कौन था ?

1. सैनिक 2. चश्मा बेचने वाला
3. मिठाई बेचने वाला 4. घूमने वाला

उत्तर- 2. चश्मा बेचने वाला

30. लेखक ने खीरा खाने से क्यों इंकार कर दिया था ?

1. आत्मसम्मान की रक्षा के लिए
2. खाने की इच्छा नहीं थी
3. घमंडी होने के कारण
4. दूसरों की चीज खाना पसंद नहीं था।

उत्तर- 1. आत्मसम्मान की रक्षा के लिए

31. बिस्मिल्लाह खा क्या बजाते थे ?

1. बांसुरी 2. सितार
3. शहनाई 4. वीणा

उत्तर- 3. शहनाई

© JCERT not to be republished

32. लेखिका (मन्नू भंडारी) का बचपन किस शहर में बीता ?

1. कानपुर 2. अजमेर
3. जयपुर 4. जैसलमेर

उत्तर- 2. अजमेर

33. परशुराम के गुरु कौन थे ?

1. शिव 2. ब्रह्मा
3. विष्णु 4. गणेश

उत्तर- 1. शिव

34. कवि नागार्जुन मैथिली में किस नाम से प्रतिष्ठित है ?

1. यात्रा 2. यात्री
3. बाबा 4. भक्ति

उत्तर- 2. यात्री

35. मृगतृष्णा का अर्थ है ?

1. छलावा 2. हिरण
3. मृग की प्यास 4. दिखावा

उत्तर- 1. छलावा

36. मुख्य गायक की आवाज कैसी थी ?

1. हल्की-फुल्की 2. लकड़ी जैसी
3. चट्टान जैसी भारी 4. पतली

उत्तर- 3. चट्टान जैसी भारी

37. भोलानाथ के सिर में क्या थी ?

1. तेज दर्द 2.छोटे-छोटे बाल
3. लंबी लंबी जटाए 4. घुंघराले बाल

उत्तर- 3. लंबी-लंबी घटाएं

38. कभी-कभी बच्चे किस का जुलूस निकालते थे ?

1. नारेबाजी का 2. बारात का
3. संगीत का 4. खेल का

उत्तर- 2. बारात का

39. जॉर्ज पंचम की लाट कहां स्थित थी ?

1. आगरा 2. कोलकाता
3. मुंबई 4. दिल्ली

उत्तर- 4. दिल्ली

40. 'गंगटोक' नगर किस राज्य की राजधानी है ?

1. सिक्किम 2. असम
3. अरुणाचल 4. मिजोरम।

उत्तर- 1. सिक्किम

© JCERT not to be republished

JAC वार्षिक माध्यमिक परीक्षा - 2023

विषय - हिन्दी

विषयनिष्ठ प्रश्नोत्तर

हिन्दी 'ए' 'खण्ड 'क'

अपठित गद्यांश

(1) हँसी भीतरी आनंद कैसे प्रकट करती है?

उत्तरः- प्रसन्न व्यक्ति अपनी प्रसन्नता की अभिव्यक्ति मुसकुराकर करता है। यदि प्रसन्नता अधिक होती है तो उसकी मुसकुराहट खिलखिलाहट में बदल जाती है। वह उस समय सभी दुश्चिंताओ से मुक्त हो जाता है। हम व्यक्ति के व्यक्तित्व एवं स्वास्थ्य का आकलन उसकी को हँसी को देखकर कर लेते हैं।

(2) पुराने समय में लोगों ने हँसी को महत्व क्यों दिया ?

उत्तरः- पुराने समय में लोगों ने हँसी को महत्वपूर्ण निम्नलिखित कारणों से माना है:-

(क) हँसी विभिन्न कला-कौशलों से युक्त हैं।

(ख) आनंद से हँसने से आयु बढ़ती है।

(ग) हँसी को औषधि के रूप में माना जाता है, यह रोगियों के साथ- साथ स्वस्थ्य व्यक्तियों के लिए भी लाभकारी है।

(3) डॉ. हस्फलेण्ड ने एक पुस्तक में हँसी के बारे में क्या लिखा है ?

उत्तर : डॉ हस्फलेण्ड ने लिखा कि हँसी उत्तम चीज है, जो औषधि के रूप में काम करती है। यह रोगियों के साथ-साथ सबके काम की वस्तु है।

(4) एक अंग्रेज डॉक्टर ने क्या कहा है?

उत्तरः- एक अंग्रेज डॉक्टर कहना है कि किसी नगर में दवाई लदे बीस गधे ले जाने से ज्यादा लाभकारी एक हँसोड़ आदमी ले जाना है।

अथवा

जिन्दगी किसका नाम है ?

उत्तरः- जिन्दगी जिन्दादिली का नाम है।

(5) हँसी खुशी उत्तर का ही नाम जीवन कैसे हैं ?

उत्तरः- व्यक्ति जब भारी अवसाद, तनाव एवं दुःख में भरा होता हैं तब उसका एक - एक पल कठिन हो जाता है। तब वह बहुत कम जी पाता हैं। जबकि खुशहाल व्यक्ति जिंदा दिली के साथ जीता है तब उसकी आयु लंबी हो जाती है।

अथवा

हँसी भीतरी आनंद का बाहरी चिन्ह कैसे है?

उत्तरः जब व्यक्ति का आंतरिक मन उमंग एवं उल्लास से भरा होता है तो हँसी दर्पण की भाँति उसके मन के आनंद को प्रदर्शित कर देती है।

हिन्दी 'ए' 'खण्ड 'ख'

पाठ्य पुस्तकें (लघु उत्तरीय प्रश्न)

(6) सेनानी न होते हुए भी लोग चश्मे वाले को कैप्टन क्यों कहते थे ?

उत्तरः- चश्मेवाला एक साधारण बूढ़ा, मरियल एवं लंगड़ा आदमी था। वह सेनानी भी नहीं था। किन्तु उसके हृदय में देश एवं इस पर मर मिटनेवाले शहीदों के प्रति बड़ा ही आदर था। इसलिए वह नेताजी की मूर्ति को रोज बदल- बदल कर चश्मा पहनाता था। लोग उसके इस व्यवहार से प्रभावित होकर उसे कैप्टन कहा करते थे। उन्हें लगता था कि शायद कैप्टन नेताजी के साथ फौज में होगा। इस प्रकार की अटकलें लोग लगाया करते थे।

(7) काशी में हो रहे कौन से परिवर्तन बिस्मिल्ला खाँ को व्यथित करते थे ?

उत्तर :- वैसे तो परिवर्तन संसार का नियम है। फिर भी पुरातन से भावनात्मक जुड़ाव, चीजें बदलने पर पीड़ा पहुँचाती हैं। उसी प्रकार बिस्मिल्ला खाँ की कर्मस्थली काशी में सबकुछ परिवर्तित हो रहा था। वहाँ का खान-पान, पुरानी परंपराएँ, मलाई बर्फ का स्वाद, कुलसुम हलवाईन की संगीतात्मक कचौड़ी के साथ-साथ संगीत एवं साहित्य एवं उनसे प्रेम करने वाले साहित्यकार एवं संगीतकारों का सम्मान भी बदल गया है लोग अब उन सब चीजों को महत्व नहीं देते। वे जीवन के आखरी पड़ाव में यह भी देख रहे थे कि " हमेशा भाईचारा एवं प्रेम का संदेश देने वाले काशी में अब हिन्दू मुस्लिम समुदायों में प्रेम भाव नहीं रहा। इन्हीं परिवर्तनों को देखकर बिस्मिल्ला खाँ व्यथित थे।

(8) बच्चे की मुसकान और एक बड़े व्यक्ति की मुसकान में क्या अंतर है?

उत्तर :- बच्चे की मुसकान बड़ी आकर्षक एवं आनंदित करनेवाली होती है चूँकि उसकी मुसकुराहट में किसी प्रकार का छल कपट नहीं होता, वह अपना-पराया, अथवा अच्छा-बुरा सोच कर नहीं मुसकुराता बल्कि निष्कपट मुसकुरा देता है। वह बिल्कुल निश्छल एवं अबोध। जबकि एक बड़े व्यक्ति की मुसकुराहट बच्चे की मुसकुराहट से एकदम अलग है। वह समय, स्थिति, व्यक्ति एवं परिस्थितियों को देखकर सुनकर एवं विचारकर मुसकुराता है। वह अपनी मुसकुराहट में नियंत्रण भी रख सकता है जबकि बच्चे की नहीं। उसकी मुसकुराहट निष्काम एवं स्वच्छ है। जबकि बड़े व्यक्ति की मुसकुराहट कामनाप्रद एवं नियंत्रित।

(9) सफलता के चरम शिखर पर पहुँचकर यदि व्यक्ति लडखडाते, हैं तब उसके सहयोगी उसे किस प्रकार सँभालते हैं ?

उत्तरः जब कोई साधारण व्यक्ति सफलता के चरम शिखर को प्राप्त करता है तब कभी- कभी अत्यधिक संवेगों के वेग से वह डगमगाने लगता है। उस समय उसके साथी जो पीछे होते हैं; उसे सहयोग, साहस, उत्साह, शाबासी एवं प्रेम देकर सँभालते हैं। पीछे ठहरे हुए साथी कभी-कभी अपनी पूरी शक्ति लगा देते हैं कि वह शिखर पर पहुँचा हुआ साथी कही नीचे न गिर जाए। लोग ऊँचाई को प्राप्त व्यक्ति की प्रशंसा तो करते हैं परंतु उसके साथियों के सहयोग एवं सपर्मण को समझ नहीं पाते उसे कोई प्रसिद्धी नहीं मिलती। फिर जिए भी दूर रहकर कर वह पीछे का संगतकार साथी ऊँचाई पर पहुँचे साथी का सहयोग करता है।

अथवा

लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या-क्या विशेषताएँ बताई हैं?

उत्तरः- लक्ष्मण ने वीर योद्धा की निम्नांकित विशेषताएँ बताई है

(1) वीर योद्धा अपनी वीरता युद्धभूमि में प्रदर्शित करते हैं।

(2) वीर योद्धाओं को अपने पराक्रम का परिचय बोलकर बताना नहीं शोभता।

(3) योद्धा धैर्यवान, एवं सहनशील होते हैं।

(4) योद्धा कभी अपशब्द नहीं कहते !

(10) 'माता का अँचल' पाठ में आए ऐसे प्रसंगों का उल्लेख करें जो

© NCERT not to be republished

आपके दिल को छू गए हैं।

उत्तर:- शिवपूजन सहाय द्वारा रचित उपन्यास "देहाती दुनिया" से लिया गया पाठ 'माता का अँचल' में ढेर सारे ऐसे प्रसंग है जो मेरे हृदय को छूते हैं; जैसे पिताजी के साथ भोलानाथ का अधिकांश समय व्यतीत करना। आजकल की भागती हुई दुनिया में माता- पिता अपनी संतानों के लिए समय नहीं निकाल पा रहे हैं। हम यहाँ देखते है कि भोलानाथ अपना अधिकांश समय पिता के साथ दिखाई देते हैं जैसे उनका सोना, पूजा-पाठ, खेलकूद, फसलों की बुआई के साथ-साथ बारात निकालने तक। किन्तु मेरा मन भोलानाथ को भोजन कराता हुआ एक पिता और माता को देखकर मेरा मन द्रवित होता जाता है कि किस प्रकार गोरस सान कर उनकी माता तरह-तरह के पशु-पक्षियों का नाम लेकर बड़ी आत्मीयता से एक नटखट बालक को भोजन कराते हैं। आज के समय में उस तरह के आत्मीय भाव से बच्चों को भोजन कुराने का सारा जिम्मा मोबाइल और टीवी ने ले लिया है यह देखकर मेरा मन बड़ा दुखी होता है।

अथवा

गंगटोक को मेहनतकश बादशाहों का शहर क्यों कहा गया है?

उत्तर :- गंगटोक मेहनतकश बादशाहों का शहर कहा गया है। जिसका अर्थ है कड़ी मेहनत कराया किन्तु गर्मी के मालिक । चुक यह एक पर्वतीय क्षेत्र है इसलिए परिस्थितियाँ बडी कठिन हैं। यहाँ के लोगों को अपनी सामान्य जरूरतों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। फिर भी यहाँ के लोग विभिन्न आपदाओं, विपदाओं एवं बाधाओं के बीच मस्त होकर अपना जीवन जीते हैं। इसलिए गंगटोक को मेहनतकश बादशाहों का शहर कहा जाता है।

हिन्दी 'ए' खण्ड 'ग'

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

11. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में निबंध लिखें ।

(क) हमारा राज्य झारखंड

संकेत बिंदु - परिचय, इतिहास, सीमा, निवासी

परिचय :- हरियाली की गोद मे अवस्थित हमारा झारखंड राज्य बहुत ही प्यारा है। इसका गठन 15 नवंबर 2000 ई० को हुआ। यह बिहार के दक्षिणी भाग को अलग करके बनाया गया है। झारखंड का अर्थ है 'झार झंखारों और खनिज संपदाओं का क्षेत्र'। हरियाली से भरपूर झारखंड खनिज संपदाओं में भी काफी संपन्न है। यह भारत का 28वाँ राज्य है।

इतिहास :- झारखण्ड शब्द का उद्गम दो शब्दों से मिलने से हुई है- झार अथवा झाड़ जिसे स्थानीय भाषा में वन कहते हैं और - खण्ड अर्थात् टुकड़ा । झारखण्ड राज्य का सर्वप्रथम साहित्यिक प्रमाण 'ऐतरेय ब्राह्मण' से प्राप्त होता है। 'ऐतरेय ब्राह्मण' में इस क्षेत्र के लिए पुण्ड्र / पुण्ड शब्द प्रयोग किया है।

सीमा :- झारखंड राज्य के उत्तर में बिहार है। इसके दक्षिण में उड़ीसा, पूरब में पश्चिम बंगाल तथा पश्चिम में छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश राज्य हैं। इस राज्य की लंबाई पूरब से पश्चिम की ओर 163 किलोमीटर है तथा चौड़ाई उत्तर दक्षिण की ओर 380 किलोमीटर है।

निवासी :- झारखंड में कुल 32 जनजातियाँ पाई जाती हैं, जिनकी संख्या कुल जनसंख्या की 26.2% है। साथ ही हिन्दू- श्रम आबादी में कुलीन उच्च जातियाँ ब्राह्मण, भूमिहार, राजदूत, और कायस्थ के साथ-साथ यादव, कुर्मी, अनुसुचित जातियाँ दलों निवास करती है। जो खोरठा, संथाली, बांग्ला, उर्दू, नागपुरी कुड़ुख, मुंडारी, हो, उड़िया, फुरमाली, पंचपरगनिया आदि भाषाएँ बोलते हैं।

यहाँ की संस्कृति रंग-बिरंगी है। लोग यहाँ प्यार से रहते हैं।

(ख) निबंध परिश्रम का महत्व

संकेत बिन्दु:- भूमिका, श्रम जीवन का सत्य, उन्नति और विकास में सहायक, उपसंहार

भूमिका :- हम यदि जीवन को ऊँचा उठाना चाहते हैं तो उसमें सबसे पहला काम होगा श्रम करना, परिश्रम करना। जिससे जीवन का उत्थान होगा एवं सुयश मिलेगा। श्रम से कठिन कार्य भी संपन्न किए जा सकते हैं। जो श्रम करता है उसका भाग्य अवश्य साथ देता है। श्रम के बल पर ही कितने ही योद्धाओं ने उत्तंग, अगम्य, पर्वत- चोटियों पर अपनी विजय का ध्वज फहरा दिया। कितनों ने अंतरिक्ष की सीमा लाँघ कर चंद्रमा में कदम रखे। श्रम के बल पर ही मनुष्य ने समुद्र को लाँघ लिया। इस तरह से हम देखें तो परिश्रम ही जीवन में उत्कर्ष और महानता लाने वाला है। वास्तव में परिश्रम ही ईश्वर की सच्ची पूजा है।

श्रम जीवन का सत्य : इस तरह से हम देखते हैं श्रम ही जीवन का सत्य है। इस सत्य को जिसने समझा है वह मेहनत से कभी जी नहीं चुराता जिससे उसके सारे मनोरथ होते हैं, व्यक्ति जो श्रम को समझ जाता है वह निरंतर परिश्रम करने से कभी नहीं घबराता वह संसार की सारी सुख - सुविधा का उपयोग एवं अपने कर्म से समाज को भी अच्छा योगदान देता है, जिससे उसका जन्म सफल होता है। इसी के स् पर आलसी व्यक्ति कभी सुखी नही रहता है। वह बैठा बैठा साथ सुख पाना चाहता है लेकिन वह अभागा दूसरों के भाग्य को देखकर जलता रहता है और कुंठित होकर जीता है। इसलिए जिसे भी सफल होना है उसे श्रम करना होगा यही जीवन का भी सत्य है।

उन्नति और विकास में सहायक :- श्रम व्यक्ति के सामाजिक आर्थिक, नैतिक आदि विकास में सहायक है। यह व्यक्ति की आर्थिक रूप से समान व साथ ही यह व्यक्ति को सामाजिक प्रतिष्ठा भी दिलाता जिससे व्यक्ति सशक्त बनता है, जीवन के प्रति अच्छे दृष्टिकोण का विकास होता है, आन्तरिक चेतना के साथ-साथ आधारभूत नैतिक शक्तियों का विकास होता है।

उपसंहार : परिश्रमी व्यक्ति सिर्फ परिवार का ही नहीं वरन् समाज का भी बहुमूल्य पूंजी है। श्रम वह महान पूंजी है, जिससे व्यक्ति का विकास और राष्ट्र की उन्नति होती है। इस मरणशील जीवन को अमर करने के लिए परिश्रमशीलता की आवश्यकता है।

परोपकार

संकेत बिन्दु :- अर्थ, महत्व, कुछ उदाहरण, उपसंहार

अर्थ:- परोपकार शब्द पर उपसर्ग एवं उपकार से बना है पर + उपकार अर्थात् परोपकार। जिसका अर्थ होता है। दूसरों की भलाई करना और दूसरों की सहायता करना।

महत्व :- परोपकार एक ऐसी भावना है जो हर किसी के अंदर होना चाहिए। चूंकि समाज में इससे बड़ा कोई और धर्म नहीं है। हमें प्रकृति ही सिखलाती है कि निः स्वार्थ भाव से हमें सबकी मदद करनी चाहिए नदियाँ, तालाब, सूर्य, पेड़-पौधे सभी निःस्वार्थ भाव से ही सेवा देते हैं। इसके बदले वे हमसे कुछ नहीं मांगते ।

उदाहरण :- परोपकार के उदाहरण तो प्रकृति के कण-कण मे बसा है। जिस तरह से वृक्ष कभी भी अपना फूल नहीं खाते नदियाँ पानी नहीं पीती सूर्य हमें रोशनी से भर देता है। इन सबों से हमे निर्वाध परोपकार की भावना सीखनी चाहिए। मानवता के कल्याण के लिए हम अपने स्वतंत्रता सेनानियों की लंबी कतार को याद कर सकते हैं जिन्होंने अपने तन, मन, धन को समर्पित कर इस देश को आजाद कराया। भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरू, महात्मा गाँधी, सुभाष चन्द्र बोस आदि असंख्य उदाहरण हम देख सकते हैं।

उपसंहार :- हम इस प्रकार देखते हैं कि परोपकार में किसी प्रकार का अपना स्वार्थ नहीं होता बल्कि वह मानवता के नाते दूसरों की भलाई करता है। "सर्वे सन्तु सुखिनः, सर्वे भवन्तुः निरामया।" की भावना होती है। यही सज्जनों का आभूषण है । जिससे समाज पुष्ट

होता है। अतः दूसरों के प्रति अपने कर्तव्य को निभाएँ और दूसरे के प्रति हीन भावना न रखें ।

12. अपने मित्र को एक पत्र लिखकर झारखंड के किसी ऐतिहासिक स्थल का वर्णन करें ।

उत्तर-:

राँची
19 मई 2023
प्रिय मित्र अर्थव
सप्रेम नमस्ते

अभी अभी तुम्हारा पत्र मिला। यह जानकर प्रसन्ता हुई कि तुमलोग कुशल हो। हमलोग भी यहाँ सकुशल हैं।

पत्र में तुमने झारखण्ड के किसी ऐतिहासिक स्थल के बारे में जानने को जिज्ञासा प्रकट की है। मैं इसी संदर्भ में तुम्हें बताने जा रहा हूँ। राँची शहर से मात्र 10 कि. मी. दूरी पर प्रकृति के सुंदर वातावरण में एक छोटी सी पहाड़ी पर स्वामी जगन्नाथ जी का प्राचीन मंदिर अवस्थित है। यह मंदिर यहाँ के शाजा एनी शाहदेव जी द्वारा लगभग 100 व पूर्व स्थापित की गई थी। यह प्राचीन मंदिर झारखंड की धरोहर है प्रतिदिन यहाँ दर्शनार्थियों का मेला लगा रहता है। इस पहाड़ी के ऊपर से हम राँची के विहंगम दृश्य को हृदय से स्पर्श कर सकते हैं। प्रति- वर्ष आषाढ़ मास में यहाँ रथ यात्रा का आयोजन हुआ करता है। भारी भीड़ होती है। दूर - दूर से पर्यटक आते हैं। कोरोना काल में मेला नहीं लगा था। इस वर्ष जोरदार मेला लगेगा। तुम सब यहाँ मेला देखने आओ। बहुत मजा आएगा।

पूज्य चाचा जी को मेरा प्रणाम ।

तुम्हारा अभिन्न मित्र

आनंद

13. छात्रों में शिक्षण के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए ।

पढ़े चलो बढ़े चलो

सबका है ये अधिकार, पूरी शिक्षा पूरा प्यार अपने बच्चे बच्चियों को स्कूल भेजिए शिक्षा
अच्छा नागरिक बनाती है और अच्छे नागरिकों से बनता उत्तम देश।

शिक्षा ही विकास की नींव है, पढ़िए और पढ़ाइए.
सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत जनहित में जारी

(13) स्वास्थ्यवर्धक पेय सामग्री बनाने वाली कंपनी की ओर से लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

स्वाद भी और सेहत भी प्रोटीन स्वास्थ्यवर्धक पेय

प्रोटीन स्वास्थ्यवर्धक पेय

- प्रोटीन, विटामिन और आवश्यक मिनिरल से भरपूर
- कमजोरी को दूर भगा कर दिनभर आपको ऊर्जावान बनाता है।
- स्वाद ऐसा की सबको पसंद आए ।

निर्माता : हेल्दी फूड प्रोडक्ट्स राँची 7923235551

© JCERT not to be republished